RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Forest and Wildlife Resources

अध्याय-2 | भाग-1

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

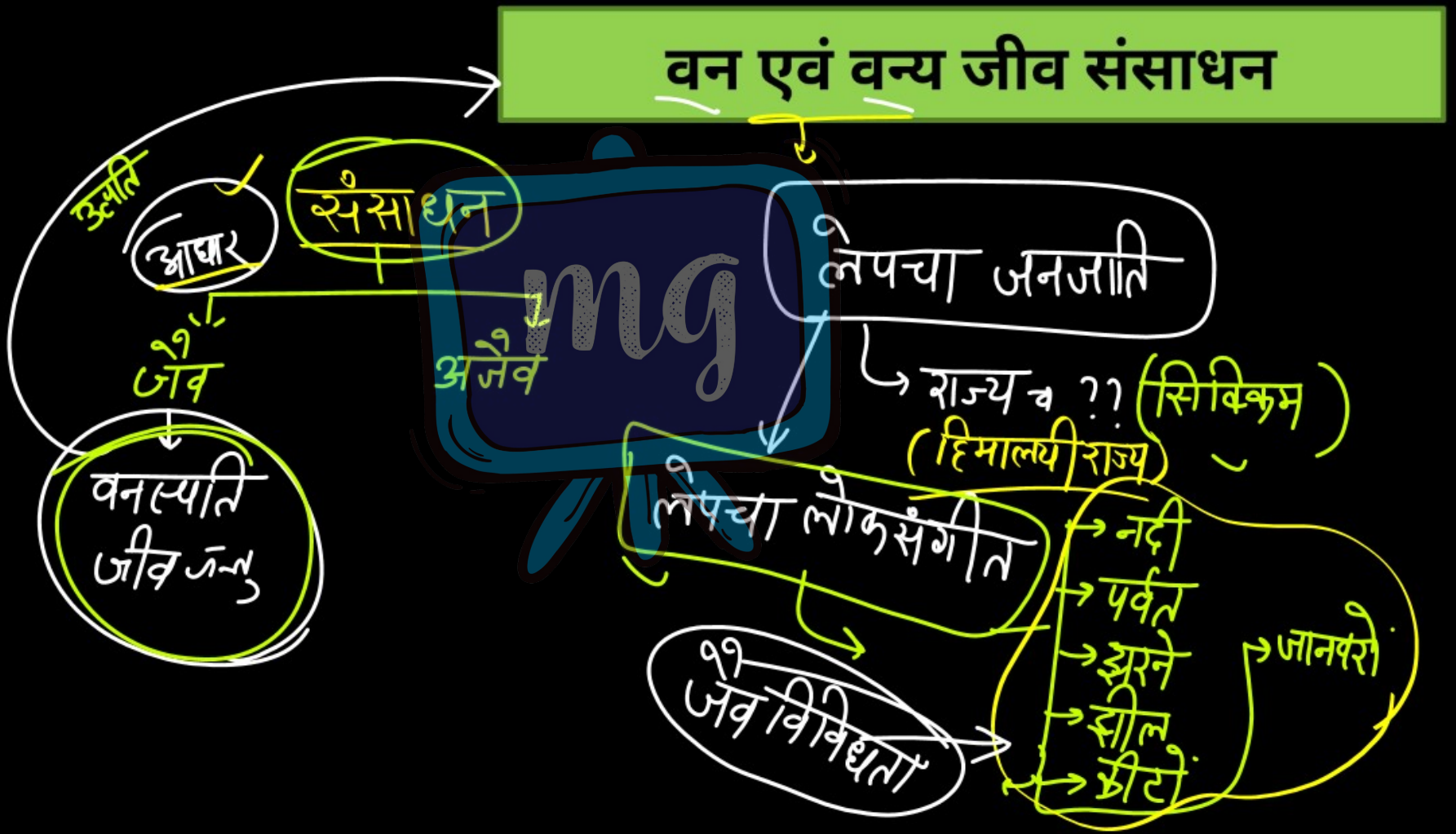


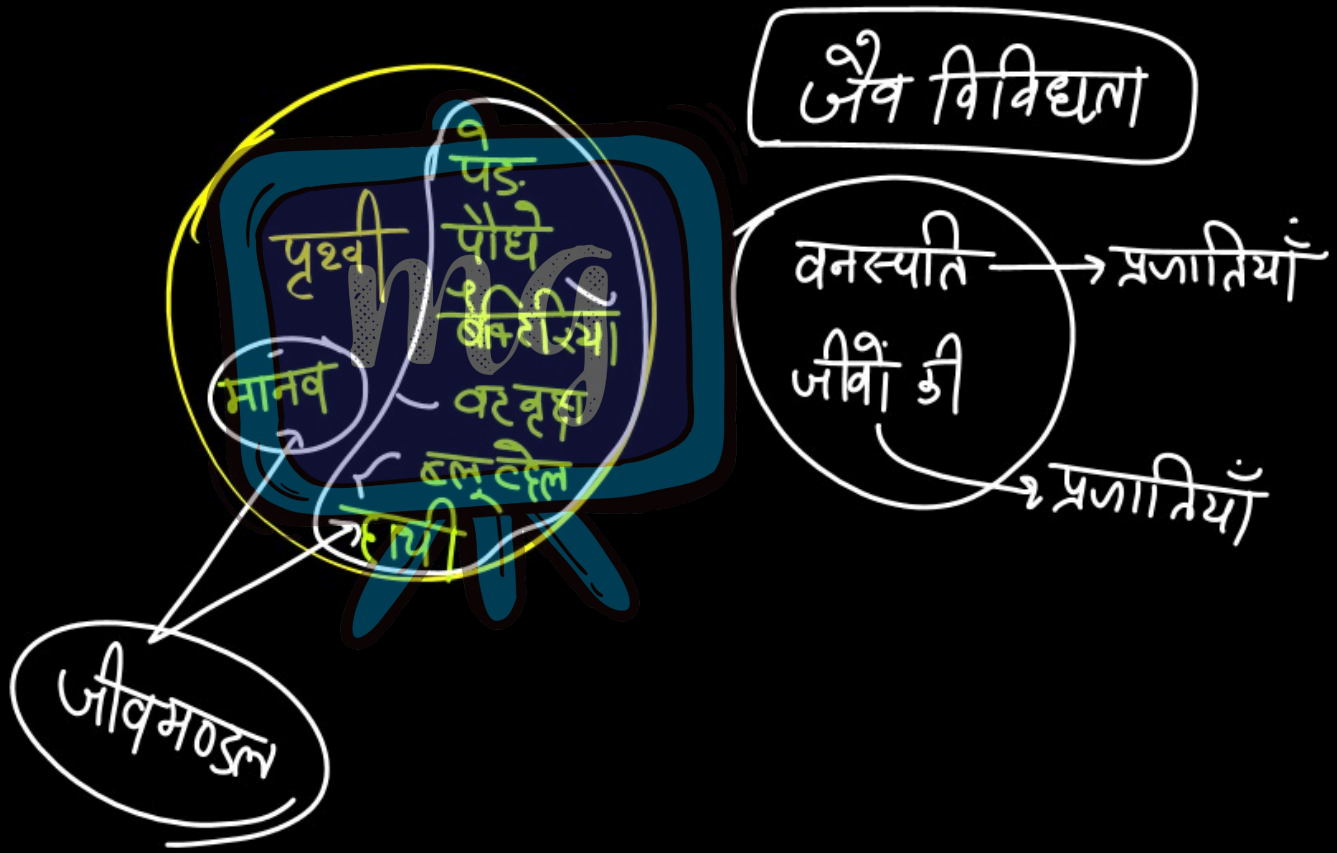
1. वन एवं वन्य जीव संसाधन
2. भारत में वनस्पतिजात और प्राणिजात
3. भारत मानचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन




जैव विविधता
पृथ्वी
पेड़
पौधे
बैक्टीरिया
मानव
वट वृक्ष
बल्ब टेल
रोपी
वनस्पति
प्रजातियाँ
जीवों की
प्रजातियाँ
जीवमण्डल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वन एवं वन्य जीव संसाधन

- इस ग्रह पर हम सूक्ष्म जीवाणुओं और बैक्टीरिया, पौधे से लेकर वटवृक्ष, हाथी और ब्लू व्हेल तक करोड़ों दूसरे जीवधारियों के साथ रहते हैं।
- यह पूरा आवासीय स्थल जिस पर हम रहते हैं, अत्यधिक जैव-विविधताओं से भरा हुआ है।

जीवमण्डल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मानव और दूसरे जीवधारी एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं, जिसका हम मात्र एक हिस्सा हैं और अपने अस्तित्व के लिए इसके विभिन्न तत्त्वों पर निर्भर करते हैं।

जीव मण्डल → पारिस्थिकी तंत्र

मानव

जैव घटक (सजीव) → वन, वन्य जीव, कीट, सूक्ष्मजीव

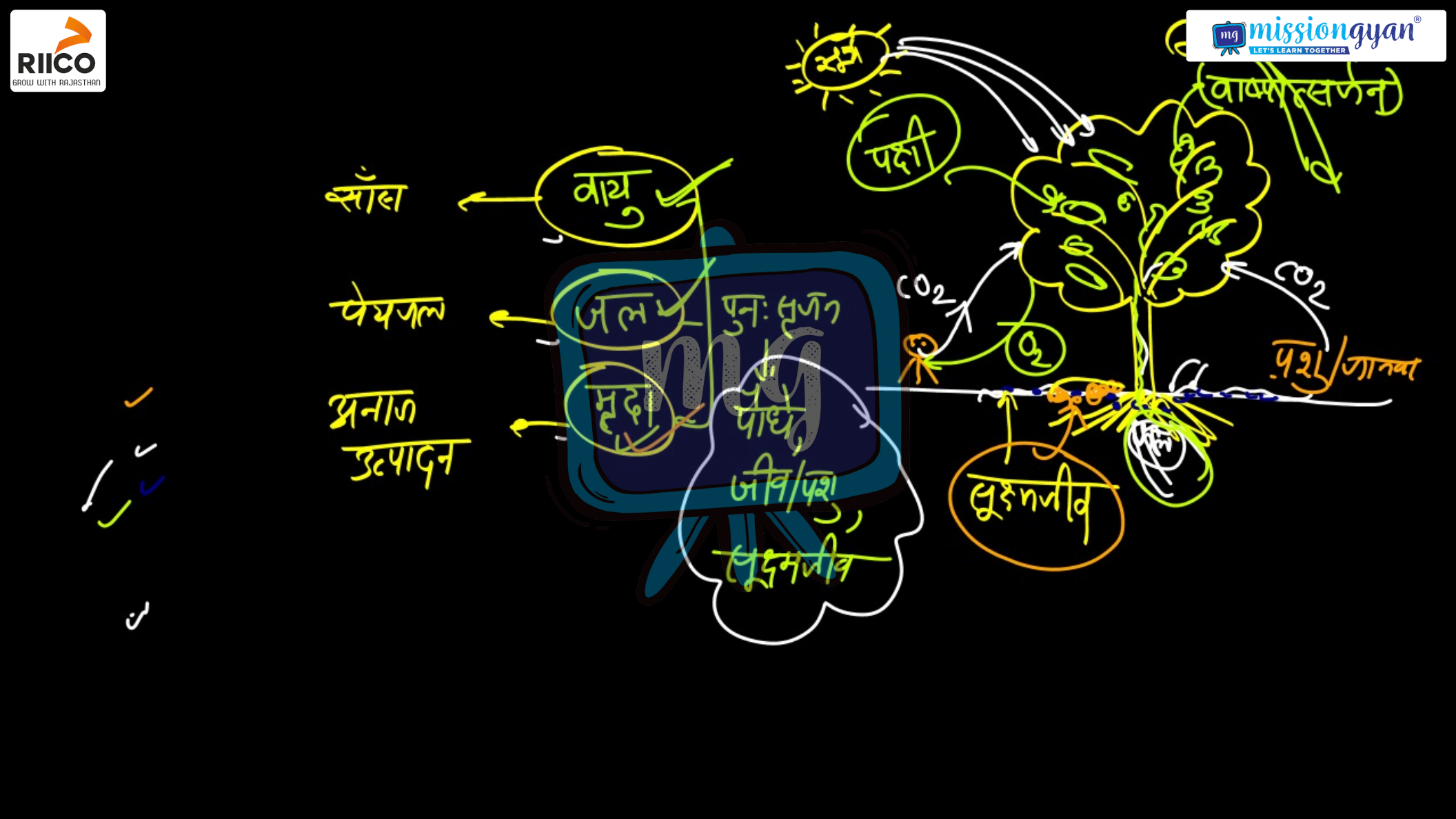
अजैव घटक (निर्जीव) → वायु, ताप, मृदा

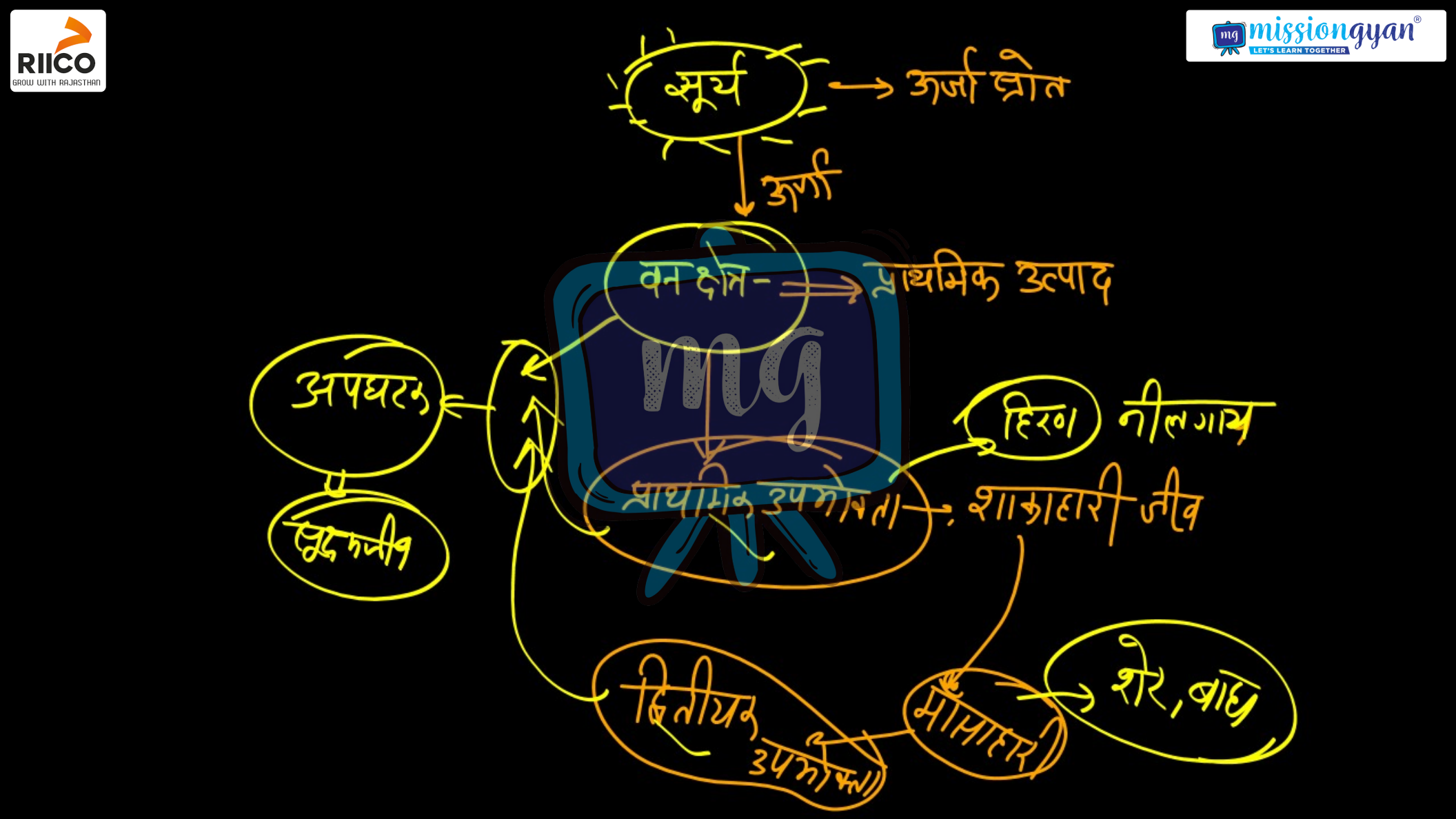
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वायु जिसमें हम साँस लेते हैं, जल जिसे हम पीते हैं और मृदा जो अनाज पैदा करती है, जिसके बिना हम जीवित नहीं रह सकते; पौधे, पशु और सूक्ष्मजीवी इनका पुनः सृजन करते हैं।
- वन, पारिस्थितिकी तंत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि ये प्राथमिक उत्पादक हैं जिन पर दूसरे सभी जीव निर्भर करते हैं।

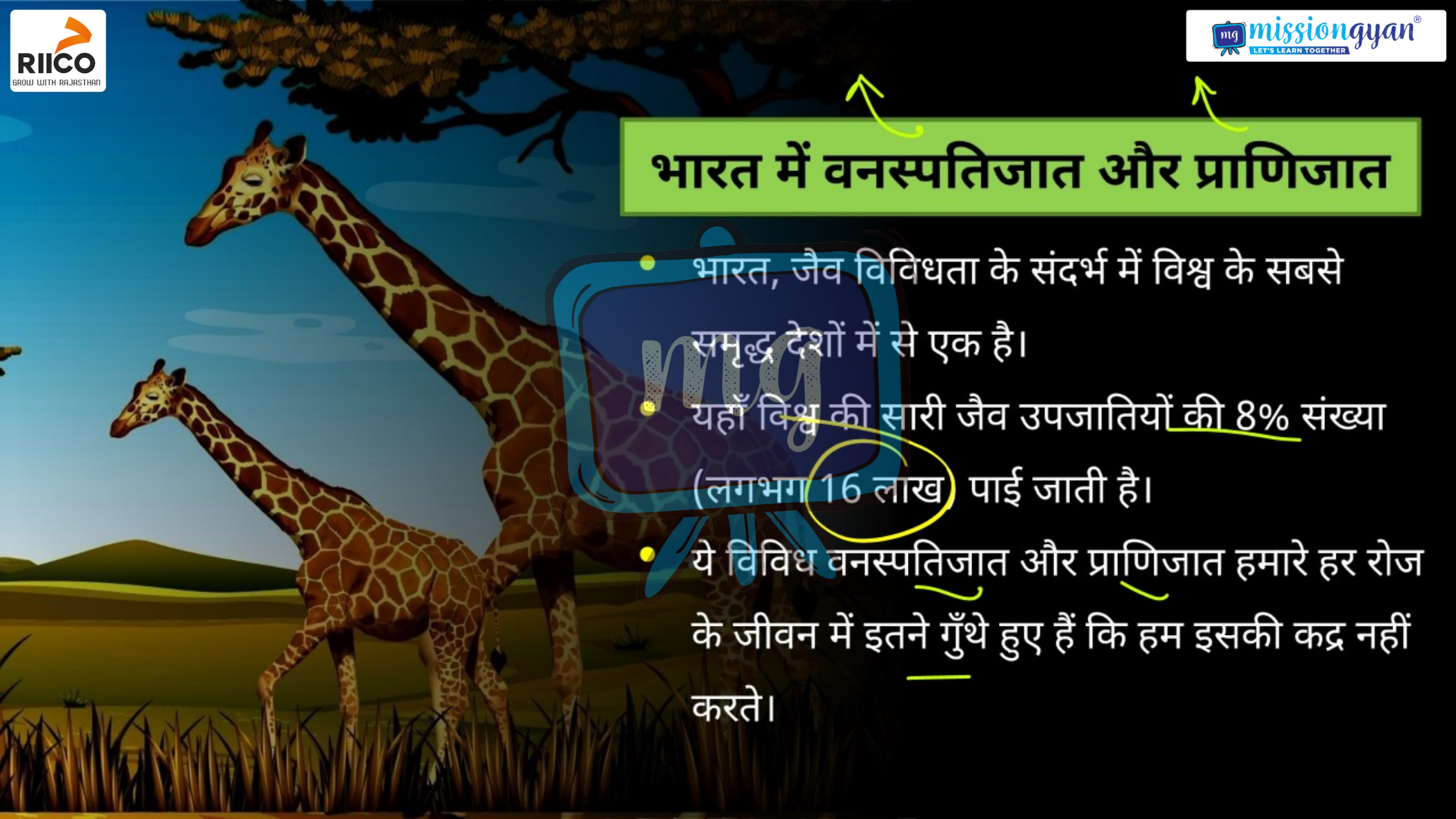
जो अपना भोजन स्वयं बनाते हैं


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
सूर्य
पत्ती
वाष्पोत्सर्जन
साँस
वायु
पेयजल
जल
मृदा
अनाज
उत्पादन
पुनः चक्रण
पौधे
जीव/पशु
सूक्ष्मजीव
CO_2
O_2
CO_2
पशु/जानवर
सूक्ष्मजीव


सूर्य
ऊर्जा स्रोत
ऊर्जा
वनस्पति
प्राथमिक उत्पाद
अपघटक
कवक
जीवाणु
प्राथमिक उपभोक्ता
हिरण
नीलगाय
शाकाहारी जीव
द्वितीयक उपभोक्ता
मांसाहारी
शेर, बाघ

वन्य जीवन और कृषि फसल

- वन्य जीवन और कृषि फसल उपजातियों में अत्यधिक जैव विविधताएँ पाई जाती हैं।
- यह आकार और कार्य में विभिन्न हैं।
- परंतु अंतर्निर्भरताओं के जटिल जाल द्वारा एक तंत्र में गुंथी हुई हैं।



भारत में वनस्पतिजात और प्राणिजात

- भारत, जैव विविधता के संदर्भ में विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक है।
- यहाँ विश्व की सारी जैव उपजातियों की 8% संख्या (लगभग 16 लाख) पाई जाती है।
- ये विविध वनस्पतिजात और प्राणिजात हमारे हर रोज के जीवन में इतने गुँथे हुए हैं कि हम इसकी कद्र नहीं करते।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परंतु पर्यावरण के प्रति हमारी असंवेदना के कारण पिछले कुछ समय से इन संसाधनों पर भारी दवाब बढ़ा है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

